समूहिक पाठ्यक्रम (महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय और कुरुक्षेत्र वि वविद्यालय के लिए)

जुलाई 2013 से प्रभावी

बी. ए. : पांचवां सेमेस्टर

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- समकालीन हिन्दी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक 40 अंक
- हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता 20 अंक
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन 10 अंक
- वस्तुनिश्ठ प्र न 10 अंक

खण्ड–क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

पंचम सेमेस्टर हिन्दी (अनिवार्य) की समकालीन हिन्दी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरुक्षेत्र वि वविद्यालय का हिन्दी–विभाग तैयार करेगा। कुरुक्षेत्र वि वविद्यालय के हिन्दी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को भाामिल किया जाएगा–

1. स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय
2. धर्मवीर भारती
3. श्रीनरेश मेहता
4. नागार्जुन
5. रघुवीर सहाय
6. कुंवर नारायण
7. लीलाधर जगूड़ी

निर्धारित आलोचनात्मक प्र न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैि ाश्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौश्ठव पर ही प्र न पूछे जायेंगे। कवियों की वि ाश्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्र न नहीं पूछे जायेंगे।

खण्ड–ख : हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्र न

1. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां
2. द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां
3. छायावाद

4. प्रगतिवाद
5. प्रयोगवाद
6. नयी कविता
7. समकालीन कविता

खण्ड–ग : प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्रलेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

1. पत्रलेखन : स्वरूप और उसके विविध भेद
2. संक्षेपण
3. पल्लवन

खण्ड–घ : वस्तुनिश्ठ प्र न

निर्दे ा–

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक की होगी। पूरा प्र न 14 अंक का होगा।

2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्र नों में से दो प्र न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्र न का उत्तर देना होगा। यह प्र न 10 अंक का होगा।

3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्र नों में से छः लघूत्तरी प्र न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 भाब्दों में किन्हीं चार प्र नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्र न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्र न 16 अंक का होगा।

4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्र नों में से दो प्र न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्र न का उत्तर देना होगा। यह प्र न 10 अंक का होगा।

5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्र नों में से चार लघूत्तरी प्र न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150–150 भाब्दों में किन्हीं दो प्र नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्र न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्र न 10 अंक का होगा।

6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्र न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्र नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्र न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्र न 10 अंक का होगा।

7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिश्ठ प्र न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्र न 1 अंक का तथा पूरा प्र न 10 अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२ से प्रभावी

बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००

लिखित परीक्षा : ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक ३६ अंक
- हिंदी साहित्य का रीतिकाल २६ अंक
- प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न ८ अंक

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

- तृतीय सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग तैयार करेगा । कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

१ अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध
२ मैथिलीशरण गुप्त
३ जयशंकर प्रसाद
४ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
५ महादेवी वर्मा
६ रामधारी सिंह दिनकर
७ भारतभूषण अग्रवाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
४ रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ

५ रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

१ कंप्यूटर : स्वरूप और महत्व

२ ई--मेल : प्रेषण--ग्रहण

३ इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता

४ मशीनी अनुवाद

५ अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

खण्ड--घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य--पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ८ ८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से ८ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा।

पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; चौ० देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा एवं महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

हिन्दी (अनिवार्य)

बी०ए० प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- निर्धारित पाठ्यपुस्तक-मध्यकालीन काव्य-कुंज : सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक। — 36 अंक
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल — 26 अंक
- काव्यशास्त्र — 10 अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 08 अंक

खण्ड-क : मध्यकालीन काव्य-कुंज

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

1. कबीरदास
2. सूरदास
3. तुलसीदास
4. मीराँबाई
5. बिहारी
6. घनानन्द
7. रसखान

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

खण्ड-ख : हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
5. रासोकाव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

खण्ड-ग : काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

1. काव्य के तत्त्व
2. रस : स्वरूप और अंग
3. रस के भेद
4. अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति
   छन्द–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी
   शब्दशक्तियाँ–अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
   काव्य-गुण–प्रसाद, माधुर्य और ओज
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या छः अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न आठ अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न आठ-आठ अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप प्रश्न 5 अंक का तथा पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

SYLLABUS AND SCHEME OF EXAMINATION
BBA-105 Hindi (1st semester)

उद्देश्य : प्रस्तुत प्रश्न पत्र का उद्देश्य वाणिज्य एवं प्रबंधन से जुड़े विद्यार्थियों को राजभाषा/ राष्ट्रभाषा हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है ताकि वे जनसामान्य तक अपनी बात उनकी अपनी भाषा में समझा सकें।

राजभाषा अधिनियम राष्ट्रपति के अध्यादेश तथा केन्द्रीय सरकार की हिन्दी शिक्षण-योजना

पत्राचार के विविध रूप (मूल पत्र, पत्रोतर, पावती, अनुस्मारक, अर्द्धसरकारी, ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, पृष्ठांकन, अन्त विभागीय टिप्पण, निविदा सूचना, विज्ञापन, प्रैस विज्ञिप्त प्रेस नोट, प्रतिवेदन)

अनुवाद : स्वरूप, प्रकृति, प्रक्रिया, वर्गीकरण, व्यावहारिक अनुवाद (प्रदत्त अंग्रेजी/ हिन्दी अनुच्छेद का अनुवाद), अनुभाषण (आशु अनुवाद) पल्लवन: परिभाषा, प्रक्रिया और गुण, संक्षेपण : परिभाषा, विधि और गुण

पारिभाषिक शब्दावली (मंत्रालयों, उपक्रमों, निगमों, बैंकों, रेलवे-क्षेत्रों, रेड़ियो तथा दूरदर्शन में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों और वाक्यांशों का अध्ययन)

निबन्ध-लेखन (निम्नलिखित विषयों में से चार-पांच विषय दिए आधारित एक निबध लिखना होगा।)

1. वाणिज्य अध्ययन में हिन्दी की उपयोगिता
2. उपभोक्ता, बाजार और वाणिज्य
3. बैंक और वाणिज्य
4. कुशल प्रबंधन और वाणिज्य
5. विज्ञापन और वाणिज्य
6. वाणिज्य विकास में कम्प्यूटर की भूमिका
7. श्रमिक असंतोष का उद्योग जगत पर प्रभाव
8. जनसंख्या वृद्धि का राष्ट्र-समृद्धि पर प्रभाव
9. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-कोष
10. निजीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
11. वैश्वीकरण और भारतीय उद्योग
12. महंगाई
13. काला धन
14. ऊर्जा संकट
15. लघु उद्योग का भविष्य

अनुक्रमणिका

1.	राजभाषा तथा हिन्दी शिक्षण योजना	3
2.	पत्र-लेखन : पत्राचार के विविध रूप	18
3.	पृष्ठांकन	28
4.	प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस नोट	33
5.	संक्षेपण	42
6.	पल्लवन	55
7.	निविदा सूचना	61
8.	टिप्पण लेखन	69
9.	पारिभाषिक शब्दावली	72
10.	विज्ञापन लेखन	82
11.	अनुवाद :अर्थ तथा स्वरूप	101
12.	अनुवाद प्रक्रिया तथा प्रविधि	113
13.	अनुवाद प्रक्रिया के प्राविधिक मूल तत्व	120
14.	अनुवाद प्रक्रिया के मार्ग निर्देशक सूत्र और प्रकार	128
15.	हिन्दी प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका	141
16.	कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद	152
17.	जनसंचार माध्यमों का अनुवाद	159
18.	विज्ञापन में अनुवाद	167
19.	(मंत्रालयों, उपक्रमों, निगमों, बैंकों, रेलवे-क्षेत्रों, रेडियोतथा दूरदर्शन में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्द)	178
20.	निबन्ध लेखन	203-236

1. वाणिज्य अध्ययन में हिन्दी की उपयोगिता 2. उपभोक्ता, बाजार और वाणिज्य 3. बैंक और वाणिज्य 4. कुशल प्रबंधन और वाणिज्य 5. विज्ञापन और वाणिज्य 6. वाणिज्य विकास में कम्प्यूटर की भूमिका 7. श्रमिक असंतोष का उद्योग जगत पर प्रभाव 8. जनसंख्या वृद्धि का राष्ट्र-समृद्धि पर प्रभाव 9. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-कोष 10. निजीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव 11. वैश्वीकरण और भारतीय उद्योग 12. महंगाई 13. काला धन 14. ऊर्जा संकट 15. लघु उद्योग का भविष्य

पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

हिन्दी (अनिवार्य) तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यग्रंथ :

अभिनव काव्य गरिमा, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक का प्रकाशन

इस पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित चार कवि और उनका काव्य निर्धारित किए गए हैं–

मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और रामधारी सिंह 'दिनकर'।

निर्देश–

खण्ड : एक (काव्य)

1. पाठ्यपुस्तक से दिए गए चार अवतरणों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पाठ्यग्रंथ में दिए गए कवियों में से दो का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा, परीक्षार्थी को किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखना होगा। इसके लिए 6 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खण्ड के लिए कुल 18 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : दो (निबन्ध-लेखन)

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित आठ विषयों में से पूछे गए पाँच विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

   विषय–(1) मानवाधिकार, (2) नैतिक शिक्षा, (3) मद्यनिषेध, (4) विज्ञान और औद्योगिकरण, (5) वैज्ञानिक प्रगति में भारत का योगदान, (6) वैश्वीकरण और विज्ञान, (7) दूरदर्शन, (8) वैश्वीकरण और विज्ञान।

खण्ड : तीन (पत्र-लेखन)

3. सरकारी पत्रों में से पूछे गए दो पत्रें में से एक पत्र लिखना होगा। इसके लिए 9 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : चार (वैज्ञानिक शब्दावली)

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित 50 अंग्रेज़ी शब्दों में से पूछे गए किन्हीं दस शब्दों के हिन्दी-तकनीकी-अर्थ लिखने होंगे। इनके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

1. Aeronautics	2. Afforestation	3. Alloy
4. Amplifirs	5. Analysis	6. Antibodies
7. Atmosphere	8. Bicimx Lens	9. Calculating Machine
10. Calibration	11. Caliation	12. Capillary
13. Capillary	14. Caustic	15. Central axis
16. Cerebrum	17. Chromosomes	18. Cluster
19. Coefficient	20. Compound	21. Condensation
22. Convention	23. Convex	24. Comet
25. Decomposition	26. Deflection	27. Dehydration
28. Deffusion	29. Distillation	30. Ecology
31. Elasticity	32. Lector osmories	33. Equilibrium
34. Equivalent	35. Endothmic	36. Extraction
37. Fermentation	38. Fertilization	39. Freezing
40. Fission	41. Formula	42. Friction
43. Galvanometer	44. Galvanometer	45. Germicide
46. Gland	47. Graft	48. Heater
49. Homologus	50. Hybrid	

विषय-सूची

खण्ड-एक : अभिनव काव्य गरिमा

1. मैथिलीशरण गुप्त .....
2. जयशंकर प्रसाद .....
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' .....
4. रामधारी सिंह 'दिनकर' .....

खण्ड-दो : निबंध लेखन

1. मानवाधिकार .....
2. नैतिक शिक्षा .....
3. मद्य निषेध .....
4. विज्ञान और औद्योगिकीकरण .....
5. वैज्ञानिक प्रगति में भारत का योगदान .....
6. वैश्वीकरण और विज्ञान .....
7. दूरदर्शन .....
8. समाचार-पत्रों का महत्त्व .....

खण्ड-तीन : पत्र-लेखन

1. सरकारी पत्र .....
2. अर्द्ध-सरकारी पत्र .....

खण्ड-चार : वैज्ञानिक शब्दावली

1. वैज्ञानिक शब्दावली .....